प्राचीन विश्व

पा.सं.	अध्याय शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
1	प्राचीन विश्व	समालोचनात्मक सोच, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान	हड़प्पा कलाकृतियों को देखने एवं म्यूजियम के भ्रमण तथा हड़प्पा से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों जैसे राखीगढ़ी, कालीबंगा आदि के भ्रमण द्वारा हड़प्पा सभ्यता को जानना एवं मझना

अर्थ

धातु की खोज से मानव सभ्यता अत्यधिक विकसित हो गई। मानव द्वारा उपयोग में लायी जाने वाली पहली धातु तांबा है। तांबा तथा धातु के उपयोग पर आधारित संस्कृति को **ताम्र-पाषाण संस्कृति** कहते हैं। तांबे तथा रांगा की मिश्र धातु अर्थात कांसा ने पत्थर, लकड़ी से बनने वाले हड्डियों से बनने वाले औज़ारो की जगह ले ली। मेसोपोटामिया, मिस्र, भारत तथा चीन में नगरीय सभ्यताएं प्रथम बार देखने में आई।

विश्व की विभिन्न ताम्र-पाषाण संस्कृतियां

क्रम सं.	सभ्यता → का नाम / विशिष्ट लक्षण ↓	मेसोपोटामिआ	मिस्र	चीन	भारत
1.	किस नदी-घाटी पर	दजला व फरात के बीच	नील	ह्वांग हो	सिंधु
2.	आधुनिक शहर	ईराक	मिस्र	उत्तरी चीन	हड़प्पा (पश्चिमी पंजाब) सिंध, गुजरात, राजस्थान
3.	कृषि के अतिरिक्त अन्य विकसित हुए शिल्प	लुहार, कुम्हार, राज मिस्त्री, बुनकर, बढ़ई	संगतराश बढ़ई	कांस्य-मिस्त्री	तांबा, कांसा के औज़ार तथा हथियार बनाने वाले, अनमोल पत्थरों चांदी, सोने के आभूषण बनाने वाले
4.	परिवहन	ठेला, चौपहिया, नौकाओं, पोतों	जमीनी व समुद्री	रेशम मार्ग	जमीनी व समुद्री
5.	भाषा तथा लिपि	कीलाक्षर	चित्राक्षर	सामान्य चीनी भाषा	हड़प्पाई (अभी पढ़ा नहीं जा सका)
6.	धर्म	सूर्य, चन्द्रमा, आकाश तथा प्रजनन की पूजा होती थी	हर शहर का खास देवता व उसके मंदिर	अनेक देवी-देवताओं की पूजा, पूर्वजों, प्रकृति और आत्माओं की पूजा	मातृ देवी व लिंग पूजा

7.	शासक वर्ग	पुरोहित, राजा अभिजात	पुरोहित, फराओ (राजा)	शांग (1523–1122 ई. पू.) चाऊ (1122–221 ई. पू.) चिन (221 ई. पू.–220 ई.)	राजा 2500 ई. पू.–1500 ई. पू.
8.	समाज के अन्य वर्ग	व्यापारी, दास, सामान्य जन	किसान, व्यापारी, शिल्पकार	किसान, व्यापारी, शिल्पकार	किसान व्यापारी
9.	मशहूर स्मारक	–	पिरमिड, संरक्षित शव	चीन की महान दीवार	विशाल स्नान गृह
10.	अतिरिक्त	–	मापतोल का ज्ञान	कन्प्रयूशसा की सही व्यवहार की प्रणाली का प्रचार-प्रसार	बाढ़ के कारण अथवा नदी के सूखने के कारण हुआ पतन अथवा समुद्री व्यापार के कारण पतन

लौह युगीन सभ्यताएं

- यूनान (2000 वर्ष पूर्व, नगर राज्य)
- रोमन (510 ई. पू.)
- ईरानी (550 ई. पू.)
- भारत (वैदिककाल)
  - पूर्व वैदिक अथवा ऋग्वैदिक 1500 ई. पू.
  - उत्तर वैदिक 6 ई. पू.

बौद्ध धर्म

गौतम बुद्ध लुंबिनी में 563 ई. पू. में जन्में। 29 वर्ष की आयु में ज्ञान प्रप्ति; चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग की शिक्षा दी

जैन धर्म

- ऋषभनाथ, जैन धर्म के संस्थापक तथा पहले तीर्थकंर। पार्श्वनाथ, 23 वें तीर्थकंर तथा वर्द्धमान महावीर 24 वें तीर्थकंर
- महावीर 540 ई. पू. में कुंडाग्राम (वैशाली के निकट) में जन्मे, 30 वर्ष की आयु में सन्यासी, 468 ई. पू. में राजगीर के निकट पावापुरी में निर्वाण

मौर्या काल (322 ई. पू.–184 ई. पू.)

- बिम्बसार, अजातशत्रु, महापद्मानंद तथा चंद्रगुप्त मौर्या ने शक्तिशाली महाजनपद मगध का विस्तार किया। चन्द्रगुप्त मौर्या (322–297 ई. पू.) ने 322 ई. पू. में नंद वंश को हराया, जिसके बाद बिंबसार (297 ई. पू.–272 ई. पू.) तथा अशोक (272–236 ई. पू.) क्रमश: गद्दी पर बैठे

संगम युग 300 ई. पू.–200 ई.

- मदुरै के पांड्य राजाओं के शाही संरक्षण में विद्वानों तथा साहित्यकारों का जमा होना संगम कहलाया। तोलकपिप्यम, आठ संग्रह (एट्टूटोगाई) दस काव्य

(पट्टपट्टू), अठारह लघु ग्रंथ तथा तीन महाकाव्य (सिलप्पादिकम, मणिमेकालाई और सिवागा सिंदार्माण) जैसे ग्रंथों का इस काल में लेखन एवं विकास हुआ।

कुषाण युग

- भारत में कुषाण वंश के शासक जो मध्य एशिया से आए युग कबीले की एक शाखा थे। मौर्या के पतन के बाद कुषाण ने शासन किया। वे पक्के बौद्ध थे।

गुप्त काल (319 ई.-550 ई.)

- फाहियान (4-5 ई.) के अनुसार इस काल में खूब खुशहाली थी। गुप्त वंश के संस्थापक महाराजा श्रीगुप्त के बाद घटोत्कच गुप्त तथा चंद्रगुप्त (319-355 ई.) शासक बने।
- समुन्द्रगुप्त (जिनके बारे में इलाहाबाद स्तम्भ में जानकारी मिलती है) ने अश्वमेध यज्ञ करवाया जोकि साम्राज्य की शक्ति का प्रतीक है। इसके बेटे चन्द्रगुप्त II (415-455 ई.) ने शांति और खुशहाली को बहाल किया।

गुप्तोत्तर काल (550 ई.-750 ई.)
(भ्रम व विखंडन का दौर)

हर्ष वर्धन	पुष्यभूती	मैत्रक वलभी	चालक्य	पल्लव
उत्तर भारत में	थानेश्वर में	गुजरात के	बादायी	कांची

भारतीय सभ्यता एक नज़र में

- दर्शन व विज्ञान में जबरदस्त प्रगति
- गणित, खगोल शास्त्र, रसायन शास्त्र, धातु क्रम तथा चिकित्सा में उल्लेखनीय योगदान
- आर्यभट और वराहमिहिर जैसे प्रसिद्ध गणितज्ञ और खगोल शास्त्री; चरक और सुश्रुत जैसे महान चिकित्सक
- नागार्जुन; प्रसिद्ध रसायन शास्त्री
- शून्य और दशमलव पद्धति की संकल्पनाए भारत में विकसित हुईं।
- कला चित्रकला, मूर्तिकला तथा वास्तुकला में महान कौशल, अशोक स्तम्भ
- अजंता, एलोरा की गुफाएं, दक्षिण भारतीय मंदिर, सांची के स्तूप

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. मेसोपोटामिया सभ्यता की चीनी सभ्यता से तुलना कीजिए

प्र. रोम तथा ईरानी सभ्यता के तीन विशिष्ट लक्षणों को लिखिए।

प्र. विश्व सभ्यता को भारत की देन को सूचीबद्ध कीजिए।